

# Govt. J.M.C. Mahila Mahavidyalaya, Mandla, Madhya Pradesh

**AISHE Code: C-33429**

Accredited: Grade 'B' by NAAC

Phone: 07642-252536

E-Mail: [hegjcgcmn@mp.gov.in](mailto:hegjcgcmn@mp.gov.in)

Website: <https://gjmcgirlscollegemandla.in/>



Towards Excellence...

## Syllabi for Department of Hindi Literature

# Index

<b>Sr. No.</b>	<b>Title</b>	<b>Page No.</b>
<b>1</b>	<b>Syllabus for B.A. First Year Students</b>	<b>1-14</b>
<b>2</b>	<b>Syllabus for B.A. Second Year Students</b>	<b>15-26</b>
<b>3</b>	<b>Syllabus for B.A. Third Year Students</b>	<b>27-42</b>


सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय		
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए.	वर्ष: प्रथम वर्ष सत्र: 2021-22
विषय: हिंदी साहित्य		
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-HLITIT
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी काव्य (प्रश्न पत्र 1)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, विद्यार्थी ने किसी भी विषय से कक्षा 12वीं प्रमाण पत्र/डिप्लोमा किया हो, पात्र हैं।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	<p>1 इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी काव्य की सुदीर्घ परम्परा से परिचित होंगे।</p> <p>2 प्रसिद्ध रचनाओं के अध्ययन से देश की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय पृष्ठभूमि से सुविज्ञ होंगे।</p> <p>3 विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होगा, उनकी जीवन दृष्टि का विस्तार होगा जिससे वह जीवन एवं जीवन मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे।</p> <p>4 रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की अनेक संभावनाएँ मिलेगी।</p>
6	क्रेडिट मान	06
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- 90 (प्रति सप्ताह घंटे में 02)		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
इकाई-1	<p>भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्तर्गत हिन्दी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि</p> <p>I हिन्दी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि-</p> <p>1.1. काल विभाजन एवं नामकरण</p> <p>1.2. आदिकाल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि</p> <p>1.3. आदिकालीन काव्य धाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ</p> <p>1.4. आदिकालीन कवि</p> <p>II प्रमुख कवि-</p> <p>2.1 गोरखनाथ (व्याख्या एवं समीक्षा)</p> <p>गोरखबानी सबदी- पद सं. 2, 4, 7, 8, 16</p> <p>राग रामग्री पद 10, 11</p>	16

5-32  
17.8.2021  
Dr. your 3rd  
... के अध्यक्ष सवाल  
... के ...

	<p>2.2 चंदबरदाई (व्याख्या एवं समीक्षा) पृथ्वीराज रासो - कनवज्जा समय -कवित्त 144,145,146</p> <p>2.3 विद्यापति (व्याख्या एवं समीक्षा)- पदावली- पद सं. 1, 49, 54, 55, 58</p>	
इकाई-2	<p>1 भक्तिकाल एवं प्रमुख कवि</p> <p>1.1 भक्ति आंदोलन: सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि</p> <p>1.2 काव्य धाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ</p> <p>1.3 प्रमुख निर्गुण एवं सगुण कवि, भक्ति काल की प्रवृत्तियाँ</p> <p>2 प्रमुख कवि- निर्गुण मार्गी</p> <p>2.1 कबीरदास (व्याख्या एवं समीक्षा) साखी- गुरुदेव को अंग- 1, 5, 7, 11, 13 विरह को अंग- 4, 10, 12, 20, 23 पद-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• दुलहनी गावहु मंगलचार</li> <li>• पंडित बाद बंदते झूठा</li> <li>• लोका मति के भोरा रे</li> <li>• बोलौ भाई राम की दुहाई</li> </ul> <p>2.2 मलिक मोहम्मद जायसी (व्याख्या एवं समीक्षा) मानसरोदक खण्ड- पदसं. 1 से 3</p> <p>3 प्रमुखकवि- सगुणमार्गी</p> <p>3.1 सूरदास (व्याख्या एवं समीक्षा) पद सं. 21, 23, 25, 85</p> <p>3.2 गोस्वामी तुलसीदास (व्याख्या एवं समीक्षा) अयोध्याकाण्ड- मागी नाव न केवटु आना । कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना॥ से बिदा कीन्ह करुनायतन भगति बिमल बरु देइ। (102 दोहा तक)</p>	18
इकाई-3	<p>1 रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि</p> <p>1.1 रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि</p> <p>1.2 रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद- रीतिसिद्ध,</p>	16

	<p>रीतिबद्ध और रीतिमुक्त</p> <p>1.3 रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ</p> <p>2 प्रमुख कवि</p> <p>2.1 बिहारी (व्याख्या एवं समीक्षा)</p> <p>दोहा क्र. 1, 16, 18, 20, 21, 25, 27, 28, 37, 46</p> <p>2.2 भूषण (व्याख्या एवं समीक्षा)</p> <p>शिवा बावनी पद सं. 4, 25, 26</p> <p>छत्रसाल दशक पद सं. 1, 7</p>	
इकाई-4	<p>1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि</p> <p>1.1 आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, पुनर्जागरण काल, हिन्दी नवजागरण काल एवं प्रवृत्तियाँ</p> <p>1.2 भारतेन्दु युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ</p> <p>1.3 द्विवेदी युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ</p> <p>1.4 छायावाद युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ</p> <p>2 प्रमुख कवि</p> <p>2.1 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (व्याख्या एवं समीक्षा)</p> <p>हिन्दी भाषा- निज भाषा उन्नति अहे, सब उन्नति को मूल (10 दोहे)</p> <p>2.2 अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (व्याख्या एवं समीक्षा)</p> <p>काव्य- एक बूंद, मीठी बोली</p> <p>2.3 जयशंकर प्रसाद (व्याख्या एवं समीक्षा)</p> <p>कामायनी के श्रद्धा सर्ग से- "प्रकृति के यौवन का श्रृंगार करेंगे कभी न बासी फूल..... से खिंची आवेगी सकल समृद्धि" तक का अंश</p> <p>2.4 सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (व्याख्या एवं समीक्षा)</p> <p>जागो फिर एक बार: भाग 2, वह तोड़ती पत्थर</p> <p>2.5 महादेवी वर्मा (व्याख्या एवं समीक्षा)</p> <p>में नीर भरी दुख की बदली</p> <p>बीन भी हूँ मैं तुम्हारी, रागिनी भी हूँ</p>	20
इकाई-5	<p>1 छायावादोत्तर काव्य धाराएँ एवं प्रमुख कवि</p> <p>1.1 उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ</p> <p>1.2 प्रगतिवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ</p> <p>1.3 प्रयोगवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ</p> <p>1.4 नईकविता, समकालीन कविता, प्रमुख प्रवृत्तियाँ</p>	20

  
 17.6.2021  
 डॉ. युष्मंत सिंह  
 31844, 3-दिल्ली उध्याय  
 मण्डल

<p>2 प्रमुख कवि</p> <p>2.1 अज्ञेय (व्याख्या एवं समीक्षा) नदी के द्वीप, यह दीप अकेला</p> <p>2.2 गजानन माधव 'मुक्तिबोध' (व्याख्या एवं समीक्षा) में तुम लोगों से दूर हूँ, भूल गलती</p> <p>2.3 नागार्जुन (व्याख्या एवं समीक्षा) अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है</p> <p>2.4 धूमिल (व्याख्या एवं समीक्षा) रोटी और संसद, बीस साल बाद</p> <p>3 अभ्यास</p> <p>3.1 काव्यपाठ (सस्वर)</p> <p>3.2 सुलेखन</p> <p>3.3 शुद्धवाचन</p>	
--	--

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग, पुनर्जागरण, नवजागरण, समकालीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, काव्य प्रवृत्तियाँ

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

पाठ्य पुस्तकें -

1. सं. वड्ढवाल, पीतांबरदत्त, "गोरखवानी" प्रकाशन हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
2. दीक्षित, आनंद प्रकाश, "विद्यापति पदावली" साहित्य मंदिर प्रकाशन ग्वालियर
3. सं. दास, श्यामसुन्दर "कबीर ग्रंथावली" नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी
4. शुक ल आचार्य रामचन्द्र "जायसी ग्रन्थ आवली" नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी
5. शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र, "भ्रमरगीत सार" लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद
6. गोस्वामी, तुलसीदास, "श्रीरामचरितमानस" गीता प्रेस गोरखपुर
7. रत्न नाकर, जगन् नाथदास, "बिहारी रत्नाकर" रत्नाकर पब्लिकेशन वाराणसी
8. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, "भूषण ग्रंथावली" साहित्य सेवक कार्यालय काशी
9. शर्मा, हेमंत, "भारतेन्दु समग्र" हिन्दी प्रचारक संस्था वाराणसी
10. शाही, सदानन्द, "अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध रचनावली" वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
11. प्रसाद, जयशंकर, "कमायनी" लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद
12. शर्मा, रामविलास, "राग-विराग" लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद
13. वर्मा, महादेवी, "परिक्रमा" साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहबाद
14. पालिवाल, कृष्णदत्त, "अज्ञेय रचनावली" भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन नई दिल्ली
15. मुक्तिबोध, गजानन माधव, "चाँद का मुँह टेढ़ा है" राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
16. सिंह, नामवर, "प्रतिनिधि कविताएं नागार्जुन" राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
17. संपादक द्विवेदी, हजारीप्रसाद "संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो" काशी विश्वविद्यालय, बनारस प्रथम संस्करण 1952 ई.

17.8.2021

...

## संदर्भ ग्रन्थ-

1. डॉ. नगेन्द्र, (संपा.), "हिंदी साहित्य का इतिहास", नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली, 1976
2. शुक्ल, रामचंद्र "हिंदी साहित्य का इतिहास", लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
3. तिवारी, रामचंद्र, "हिंदी गद्य का इतिहास", विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
4. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, "हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास", लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
5. सिंह नामवर "आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां", राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 2011
6. ओझा, डॉ. दुर्गा प्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, "छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं", प्रकाशन केंद्र लखनऊ
7. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, "आधुनिक हिंदी कविता", प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
8. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, "हिन्दी साहित्य का आदिकाल" बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना, 1961 तृतीय सं.
9. भटनागर, डॉ. रामरतन, "प्राचीन हिन्दी काव्य", इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1952
10. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, "हिन्दी साहित्य की भूमिका", हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940
11. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, "विद्यापति: एक अध्ययन", भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली, 1991
12. सिंह. डॉ. शिवप्रसाद, "विद्यापति", हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1957
13. वर्मा, रामकुमार, "संत कबीर साहित्य" भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
14. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, "कबीर", हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
15. वर्मा रामकुमार "कबीर का रहस्यवाद", साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1941
16. वर्मा, रामलाल, "जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व", भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1979
17. पाठक, शिवसहाय, "मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य", साहित्य भवन, इलाहाबाद
18. शर्मा मुंशीराम, "सूरदास का काव्य वैभव", ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर, 1965
19. किशोरीलाल, "सूर और उनका भ्रमरगीत", अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
20. वाजपेयी, नन्ददुलारे, "सूरसंदर्भ", इंडियन प्रेसलिमिटेड, प्रयाग
21. त्रिपाठी, रामनरेश, "तुलसीदास और उनकी कविता (भाग-1)", हिन्दीमंदिर, प्रयाग, 1937
22. दीक्षित राजपति, "तुलसीदास और उनका युग", ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
23. त्रिगुणायत, गोविन्द, "कबीर की विचारधारा", साहित्य निकेतन, कानपुर
24. उपाध्याय विशम्भर नाथ, "सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण", विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
25. डॉ. नगेन्द्र, "कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ", नेशनल पब्लिशिंगहाउस, नयी दिल्ली
26. शर्मा, रामविलास, "निराला की साहित्य साधना, भाग-2", राजकमल प्रकाशन, नयीदिल्ली
27. गौड़, राजेंद्रसिंह, "आधुनिक कवियों की काव्य साधना", श्रीराम, मेहता एंडसंस, आगरा, 1953
28. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, "हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि", विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
29. कुमारविमल, "छायावाद का सौन्दर्य-शास्त्रीय अध्ययन", राजकमल प्रकाशन, नयीदिल्ली, 1970

17.8.2021  
डा. यु. ए. ए. अ. अ. अ.  
3.2.2021, [E-5]

30. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, "समकालीन हिन्दी कविता", राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
31. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, "अज्ञेय का रचनासंसार", राधाकृष्ण प्रकाशन, नयीदिल्ली
32. सिंह, विजयबहादुर, "नागार्जुन का रचनासंसार", सम्भावना प्रकाशन, हापुड़, 1982
33. अष्टेकर, "कटघरे का कवि धूमिल", पंचशील प्रकाशन, जयपुर
34. नवल, नंदकिशोर, "मुक्तिबोध", साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
35. त्रिपाठी, डॉ. हंसराज, "आत्म संघर्ष की कविता मुक्ति बोध", मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़
36. सिंह, शम्भूनाथ, "छायावादयुग", सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी, 1962
36. अज्ञेय, "दूसरा सप्तक", प्रगति प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रतीक प्रकाशन माला, 1951
38. बिसारिया, डॉ. पुनीत, "प्राचीन हिन्दी काव्य", श्रीनटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2007
39. सिंह, डॉ. उदयप्रताप, "नाथपंथ और गोरखबानी", आर्यावर्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली 2011

## 2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1. [www.wikipidiya.org](http://www.wikipidiya.org)
2. [www.egyankosh.ac.in](http://www.egyankosh.ac.in)
3. [www.youtube.com](http://www.youtube.com)
4. <https://epgp.inflibnet.ac.in>
5. [hindiwi.org](http://hindiwi.org)
6. [kavitakosh.org](http://kavitakosh.org)
7. <https://swayam.gov.in/>

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: <https://swayam.gov.in/>

### भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

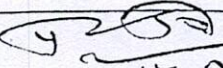
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	15
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	10
		कुल अंक :25
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	03 x 03 = 09
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	04 x 09 = 36
समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	02 x 15 = 30
		कुल अंक 75

कोई टिप्पणी/सुझाव:

  
 17.08.2021  
 डॉ. युष्मि कुं  
 अध्यक्ष, अध्यापक मण्डल  
 हिन्दी साहित्य

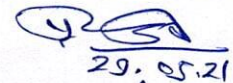


## सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए.	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-22
विषय: हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-HLIT2T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कार्यालयीन हिंदी एवं भाषा कम्प्यूटिंग (प्रश्न पत्र 2)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, विद्यार्थी ने किसी भी विषय से कक्षा 12वीं प्रमाण पत्र/डिप्लोमा किया हो, पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1 इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली से परिचित हो सकेंगे। जिससे वे कार्यालयीन कार्य करने में सक्षम होंगे। 2 नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के-क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे 3 भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर मिलेंगे।	
6	क्रेडिट मान	06	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या- 90 (प्रति सप्ताह घंटे में 02)			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
इकाई-1	कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र: 1.1 कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य 1.2 कार्यालयीन हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का संबंध एवं अंतर 1.3 कार्यालयीन कार्यकलाप की सामान्य जानकारी 1.4 हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भ: कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, विधिक एवं कानूनी, जनसंचार माध्यम आदि। राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान।	16	
इकाई-2	हिन्दी के शब्द संसाधन (कम्प्यूटर टंकण) 1.1 हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की-बोर्ड, देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स, यूनिकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.पी.टी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्स्ट एवं	18	

29.05.2021

1

  
 29.05.21

डॉ. युष्मा कुंवर  
 अध्यक्ष, केंद्रीय अध्ययन मण्डल  
 कीर्तिपुर, प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य

	टेक्स्ट टू स्पीच, हिंदी शार्ट हैण्ड का परिचय। 1.2 हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकायें, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय, सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल, आभासी कक्षाएं	
इकाई-3	कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली 1.1 शब्दावली निर्माण के सिद्धांत 1.2 कार्यालयीन हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक, विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली 1.3 पदनाम एवं अनुभाग	16
इकाई-4	1 कार्यालयीन हिन्दी पत्राचार: 1.1 आवेदन पत्र 1.2 शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र- 1.3 कार्यालयीन आदेश 1.4 परिपत्र 1.5 अधिसूचना 1.6 कार्यालयीन ज्ञापन 1.7 विज्ञापन 1.8 निविदा 1.9 संकल्प 1.10 प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र 2 प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिंदी का मानकीकरण 2.1 प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति 2.2 टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर 2.3 संक्षेपण का अर्थ एवं संक्षेपण-पद्धति, पल्लवन का अर्थ, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर 2.4 प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	20
इकाई-5	1 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग 1.1 कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास 1.2 हिंदी का मानकीकृत रूप 1.3 ब्लॉगिंग एवं सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	20

29-05-2021

2

उ. प्र. वि. वि.  
डॉ. युवराज कुमार  
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मण्डल  
एन. ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य

	<p>- फेसबुक, यूट्यूब एवं अन्य प्लेटफार्म</p> <p>1.4 ई-गवर्नेंस</p> <p>1.5 विराम चिह्न, अशुद्धि-संशोधन एवं प्रूफ-शोधन</p> <p>1.6 व्यावहारिक अभ्यास - विभिन्न प्रकार के कार्यालयीन पत्र, ब्लॉगिंग, पोस्टर, ईमेल एवं अन्य-</p>	
<p>सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: कार्यालयीन हिन्दी, शब्द संसाधन, कार्यालयीन पत्राचार, संक्षेपण, पल्लवन, देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग, स्पीच टू टेक्स एवं टेक्स टू स्पीच, हिन्दी शार्टहेन्ड, प्रूफ-शोधन</p>		
<p>भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन</p>		
<p>पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन</p>		
<p>अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:</p> <p>संदर्भ ग्रन्थ-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>सागर, रामचंद्र सिंह, "कार्यालय कार्य-विधि", आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली 1963</li> <li>शर्मा, चंद्रपाल, "कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति", समता प्रकाशन, दिल्ली 1991</li> <li>"प्रज्ञा पाठमाला", राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली</li> <li>गोदरे, डॉविनोद., "प्रयोजनमूलक हिन्दी", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009</li> <li>झाल्टे दंगल, "प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण</li> <li>सोनटक्के, डॉमाधव., "प्रयोजनमूलक हिन्दी: प्रयुक्ति और अनुवाद", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>भाटिया, कैलाशचन्द्र, "प्रयोजनमूलक हिन्दी: प्रक्रिया और स्वरूप" तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली 2005</li> <li>जैन, डा.संजीव कुमार सं., "प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग", कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल</li> <li>मल्होत्रा, विजयकुमार, "कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>गोयल, संतोष, "हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर", श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली</li> <li>हरिमोहन, "आधुनिक जनसंचार और हिन्दी", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>हरिमोहन, "कम्प्यूटर और हिन्दी", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>द्विवेदी, संजय "नए समय का संवाद: सोशल नेटवर्किंग", नेहा, पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली</li> <li>शुक्ल, सौरभ, "नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज" पब्लिकेशन्स, दिल्ली</li> <li>कुमार, सुरेश, "इन्टरनेट पत्रकारिता", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>श्रीवास्तव, गोपीनाथ, "कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि", सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>सिंह, अजय कुमार, "इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद 2014</li> </ol> <p>2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक</p> <ol style="list-style-type: none"> <li><a href="http://www.wikipidiya.org">www.wikipidiya.org</a></li> <li><a href="http://www.egyankosh.ac.in">www.egyankosh.ac.in</a></li> <li><a href="http://www.youtube.com">www.youtube.com</a></li> <li><a href="https://epgp.inflibnet.ac.in">https://epgp.inflibnet.ac.in</a></li> </ol>		

29-05-2021

3



आध्यक्ष  
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल  
 की ७१० प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य

5. <a href="http://Hi.m.wikipidiya.org">Hi.m.wikipidiya.org</a>		
6. <a href="http://www.india.gov.in&gt;topics">www.india.gov.in&gt;topics</a>		
अनुशासित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:		
भाग द - अनुशासित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशासित सतत मूल्यांकन विधियां:		
अधिकतम अंक: 100		
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75		
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	15
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	10
		कुल अंक :25
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	03 x 03 = 09
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	04 x 09 = 36
समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	02 x 15 = 30
		कुल अंक 75
कोई टिप्पणी/सुझाव:		

यु. 29-05-2024  
डा. पुष्पा कुर्वे

अध्यक्ष  
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल  
बी-ए० प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य

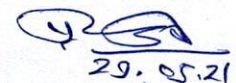
Department of Hindi

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए.	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-22
विषय: हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-HLIT2T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कार्यालयीन हिंदी एवं भाषा कम्प्यूटिंग (प्रश्न पत्र 2)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, विद्यार्थी ने किसी भी विषय से कक्षा 12वीं प्रमाण पत्र/डिप्लोमा किया हो, पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1 इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली से परिचित हो सकेंगे। जिससे वे कार्यालयीन कार्य करने में सक्षम होंगे। 2 नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के-क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे 3 भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर मिलेंगे।	
6	क्रेडिट मान	06	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या- 90 (प्रति सप्ताह घंटे में 02)			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
इकाई-1	कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र: 1.1 कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य 1.2 कार्यालयीन हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का संबंध एवं अंतर 1.3 कार्यालयीन कार्यकलाप की सामान्य जानकारी 1.4 हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भ: कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, विधिक एवं कानूनी, जनसंचार माध्यम आदि। राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान।	16	
इकाई-2	हिन्दी के शब्द संसाधन (कम्प्यूटर टंकण) 1.1 हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की-बोर्ड, देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स, यूनिकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.पी.टी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्स्ट एवं	18	

29.05.2021

1

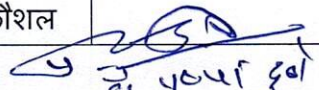
  
29.05.21

डा. युष्मा कुबेर  
अध्यक्ष, केंद्रीय अध्ययन मण्डल  
की 020 प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य

	<p>टेक्स्ट टू स्पीच, हिंदी शार्ट हैण्ड का परिचय।</p> <p>1.2 हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय, सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल, आभासी कक्षाएं</p>	
इकाई-3	<p>कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली</p> <p>1.1 शब्दावली निर्माण के सिद्धांत</p> <p>1.2 कार्यालयीन हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक, विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली</p> <p>1.3 पदनाम एवं अनुभाग</p>	16
इकाई-4	<p>1 कार्यालयीन हिन्दी पत्राचार:</p> <p>1.1 आवेदन पत्र</p> <p>1.2 शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र-</p> <p>1.3 कार्यालयीन आदेश</p> <p>1.4 परिपत्र</p> <p>1.5 अधिसूचना</p> <p>1.6 कार्यालयीन ज्ञापन</p> <p>1.7 विज्ञापन</p> <p>1.8 निविदा</p> <p>1.9 संकल्प</p> <p>1.10 प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र</p> <p>2 प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिंदी का मानकीकरण</p> <p>2.1 प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति</p> <p>2.2 टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर</p> <p>2.3 संक्षेपण का अर्थ एवं संक्षेपण-पद्धति, पल्लवन का अर्थ, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर</p> <p>2.4 प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग</p>	20
इकाई-5	<p>1 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग</p> <p>1.1 कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास</p> <p>1.2 हिंदी का मानकीकृत रूप</p> <p>1.3 ब्लॉगिंग एवं सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल</p>	20

29-05-2021

2

  
 डॉ. युवराज कुमार  
 अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्यापक मण्डल  
 एी ०१० प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य

	<p>- फेसबुक, यूट्यूब एवं अन्य प्लेटफॉर्म</p> <p>1.4 ई-गवर्नेंस</p> <p>1.5 विराम चिह्न, अशुद्धि-संशोधन एवं प्रूफ-शोधन</p> <p>1.6 व्यावहारिक अभ्यास - विभिन्न प्रकार के कार्यालयीन पत्र, ब्लॉगिंग, पोस्टर, ईमेल एवं अन्य-</p>	
<p>सार बिंदु (की बर्ड)/टैग: कार्यालयीन हिन्दी, शब्द संसाधन, कार्यालयीन पत्राचार, संक्षेपण, पल्लवन, देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग, स्पीच टू टेक्स एवं टेक्स टू स्पीच, हिन्दी शार्टहेन्ड, प्रूफ-शोधन</p>		
<p>भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन</p>		
<p>पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन</p>		
<p>अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:</p> <p>संदर्भ ग्रन्थ-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सागर, रामचंद्र सिंह, "कार्यालय कार्य-विधि", आत्मराम एंड संस, नयी दिल्ली 1963</li> <li>2. शर्मा, चंद्रपाल, "कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति", समता प्रकाशन, दिल्ली 1991</li> <li>3. "प्रज्ञा पाठमाला", राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली</li> <li>4. गोदरे, डॉविनोद., "प्रयोजनमूलक हिन्दी", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009</li> <li>5. झाल्टे दंगल, "प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण</li> <li>6. सोनटक्के, डॉमाधव., "प्रयोजनमूलक हिन्दी: प्रयुक्ति और अनुवाद", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>7. भाटिया, कैलाशचन्द्र, "प्रयोजनमूलक हिन्दी: प्रक्रिया और स्वरूप" तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली 2005</li> <li>8. जैन, डा.संजीव कुमार सं., "प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग", कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल</li> <li>9. मल्होत्रा, विजयकुमार, "कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>10. गोयल, संतोष, "हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर", श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली</li> <li>11. हरिमोहन, "आधुनिक जनसंचार और हिन्दी", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>12. हरिमोहन, "कम्प्यूटर और हिन्दी", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>13. द्विवेदी, संजय "नए समय का संवाद: सोशल नेटवर्किंग", नेहा, पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली</li> <li>14. शुक्ल, सौरभ, "नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज" पब्लिकेशन्स, दिल्ली</li> <li>15. कुमार, सुरेश, "इन्टरनेट पत्रकारिता", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>16. श्रीवास्तव, गोपीनाथ, "कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि", सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>17. सिंह, अजय कुमार, "इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन इलाहबाद 2014</li> </ol> <p>2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. <a href="http://www.wikipidiya.org">www.wikipidiya.org</a></li> <li>2. <a href="http://www.egyankosh.ac.in">www.egyankosh.ac.in</a></li> <li>3. <a href="http://www.youtube.com">www.youtube.com</a></li> <li>4. <a href="https://epgp.inflibnet.ac.in">https://epgp.inflibnet.ac.in</a></li> </ol>		

29-05-2021

3



अध्यक्ष  
 कुलपति अध्येक्ष मण्डल  
 की ७६० प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य

5. <a href="http://Hi.m.wikipidiya.org">Hi.m.wikipidiya.org</a>		
6. <a href="http://www.india.gov.in&gt;topics">www.india.gov.in&gt;topics</a>		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:		
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:		
अधिकतम अंक: 100		
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75		
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	15
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	10
		कुल अंक :25
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	03 x 03 = 09
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	04 x 09 = 36
समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	02 x 15 = 30
		कुल अंक 75
कोई टिप्पणी/सुझाव:		

यु. 29-05-2021  
डा. पुष्पा कुंवर

अध्यक्ष  
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल  
बी-ए० प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य

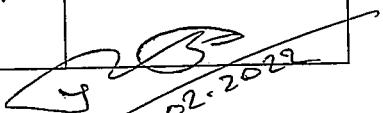


सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: डिप्लोमा	कक्षा : बी.ए.	वर्ष: द्वितीय वर्ष	सत्र: 2022-23
विषय: हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-HLIT1T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिन्दी गद्य (प्रश्न पत्र 1)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स/मेजर 1	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र ने किसी भी विषय/संकाय में अध्ययन किया हो, पत्र है।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. विद्यार्थी हिन्दी गद्य साहित्य एवं प्रमुख रचनाओं से परिचित होंगे।</li> <li>2. विद्यार्थियों में साहित्य अध्ययन से संवेदनशीलता एवं मानवीय गुणों का विकास होगा।</li> <li>3. साहित्य क्षेत्र में सर्जनात्मक लेखन एवं समीक्षा के प्रति प्रेरित होंगे। उन्हें रचनाओं के प्रकाशन एवं अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार प्राप्ति के अवसर प्राप्त होंगे।</li> </ol>	
6	क्रेडिट मान 100	06 Theory	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या(90) - : (L85+T05): व्याख्यान प्रति सप्ताह 2 घंटे			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
इकाई-1	<p>आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की पृष्ठभूमि एवं उदय के कारण -:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि</li> <li>2. हिन्दी गद्य के उद्भव के कारण</li> <li>3. हिन्दी उपन्यास का स्वरूप और विकास। प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार।</li> <li>4. रामगढ़ की रानी - व्याख्या एवं समीक्षा</li> </ol>	16	

15.02.2022  
 डा. पुष्पा कुर्व  
 अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मंडल  
 बी.ए. द्वितीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

इकाई-2	<p>हिन्दी कहानी : स्वरूप और विकास</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>स्वरूप और विकास</li> <li>प्रमुख हिन्दी कहानियाँ – व्याख्या और समीक्षा</li> <li>कहानियाँ – ‘उसने कहा था’ - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी पंच परमेश्वर – प्रेमचंद पुरस्कार– जयशंकर प्रसाद वापसी – उषा प्रियंवदा</li> </ol>	18
इकाई-3	<p>हिन्दी नाट्य साहित्य : स्वरूप और विकास</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>हिन्दी नाटक : स्वरूप और विकास</li> <li>हिन्दी एकांकी : स्वरूप और विकास</li> <li>नाटक : लहरों के राजहंस – मोहन राकेश (व्याख्या एवं समीक्षा)</li> <li>एकांकी - (व्याख्या एवं समीक्षा)             <ol style="list-style-type: none"> <li>दीपदान – डॉ. रामकुमार वर्मा</li> <li>दूतते हुए – सुरेश चन्द्र शुक्ल (चन्द्र)</li> </ol> </li> </ol>	16
इकाई-4	<p>हिन्दी निबंध : स्वरूप और विकास</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>हिन्दी निबंध : स्वरूप</li> <li>हिन्दी निबंध का उद्भव एवं विकास, प्रमुख निबंधकारों का परिचय व प्रवृत्तियाँ</li> <li>प्रमुख निबंध – (व्याख्या एवं समीक्षा)             <ol style="list-style-type: none"> <li>मित्रता – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल</li> <li>अशोक के फूल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी</li> <li>मेरे राम का मुकुट भीग रहा है- आचार्य विद्यानिवास मिश्र</li> </ol> </li> </ol>	20
इकाई-5	<p>हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ : स्वरूप और विकास</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>संस्मरण : सुभद्राकुमारी चौहान-महादेवी वर्मा (पथ के साथी संग्रह से)</li> </ol>	20

  
 15.02.2022  
 31 युवा युव  
 अध्यापक, वन्देय अध्येतृ मञ्च  
 बी.ए. II वर्ष, हिन्दी साहित्य

	<p>2. यात्रा वृत्तान्त - सौन्दर्य की नदी नर्मदा (अंश- ऑकारेश्वर से खलघाट) -अमृतलाल वेगड़ मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल</p> <p>3. व्यंग्य - भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई</p> <p>4. जीवनी - उत्तर योगी श्री अरविन्द (अंश - मनुष्य प्रकृति की सर्वोच्च प्रयोगशाला ) शिवप्रसाद सिंह लो क भारती प्रकाशन, इलाहाबाद</p> <p>5. आत्मकथा - क्या भूलूँ क्या याद करूँ - (अंश- श्यामा प्रसंग पृ:169 से 174 तक) हरिवंशराय बच्चन प्रकाशन - राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली</p> <p>6. डायरी - कठिन समय में - रमेशचन्द्र शाह (अंश -दि: 25.04.2010) किताबघर, नई दिल्ली</p> <p>* ट्यूटोरियल :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• गद्य रचनाओं का वाचन एवं रचनात्मक लेखन</li> <li>• निबंध, कहानी एवं अन्य गद्य विधाओं का नाट्यरूपान्तर एवं मंचना, मंच-सज्जा , पात्र वेशभूषा।</li> </ul>	
--	---	--

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: गद्य साहित्य की विधाएँ , अवधारणा , पृष्ठभूमि , समीक्षा , व्याख्या

भाग स- अनुशासित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

- अनुशासित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

पाठ्य पुस्तकें -

1. तिवारी रामचंद्र, हिन्दी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणासी, 2007
2. सिंह बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. शुक्ल, रामचंद्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी, 1992
4. तिवारी, रामचंद्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन , प्रयागराज 2019
5. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 2018
6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिन्दीगद्य: विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज 2018
7. वर्मा, वृंदावनलाल 'रामगढ़ की रानी प्रभात प्रकाशन आसिफ अली रोड नई दिल्ली
8. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा
9. वर्मा, डॉ रामकुमार, आठ एकांकी नाटक, स्रोत पुस्तकालय ई -
10. हरिशचंद्र भारतेन्दु, अंधेर नगरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. प्रसाद जयशंकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

15.02.2022  
51 9041 34

12. गुप्ता सोमनाथ, हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास, इंद्रा चन्द्र नारंग, इलाहाबाद, तीसरा संस्करण 1951
13. ओझा, डॉ दशरथ हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
14. रस्तोगी, गिरीश, हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद
15. त्रिपाठी सत्यवती, आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. किशोर ब्रजराज, हिन्दी नाटक और रंगमंच जनप्रिय प्रकाशन
17. रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिन्दी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
18. कुमार, सिद्धनाथ, हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
19. महेन्द्र डॉएकांकीकार और एकांकी रामचरण ., वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
20. महेन्द्र डॉ. रामचरण हिन्दी एकांकी उद्भव और विकास, साहित्य प्रकाशन दिल्ली
21. बिसारिया, डॉपुनीत ., निबंध निकष, शब्द सेतु प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
22. बिसारिया, डॉपुनीत ., निबंध संग्रह, श्री नटराज प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
23. मिश्र कृष्णगोपाल "हिन्दी साहित्य और समीक्षा" प्रकाशन के के.पब्लिकेशन नई दिल्ली

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1. [www.wikipidiya.org](http://www.wikipidiya.org)
2. [www.egyankosh.ac.in](http://www.egyankosh.ac.in)
3. [www.youtube.com](http://www.youtube.com)
4. <https://epgp.inflibnet.ac.in>
5. [hindiwi.org](http://hindiwi.org)
6. <https://swayam.gov.in/>

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

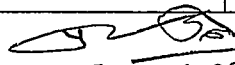
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	15
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15
		कुल अंक :30
आकलन :	अनुभाग (अ): वस्तुनिष्ठ	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): लघु प्रश्न	
समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द)	कुल अंक 70

कोई टिप्पणी/सुझाव:


डा. पुष्पा कुर्ब  
 31-एचए, केन्द्रीय अध्ययन मण्डल  
 बी.ए. द्वितीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: डिप्लोमा	कक्षा : बी.ए.	वर्ष: द्वितीय वर्ष	सत्र: 2022-23
विषय: हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-HLIT2T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अनुवाद विज्ञान (प्रश्न पत्र 2)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स / मेजर 2 / माइनर /वैकल्पिक	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र को किसी भी विषय/संकाय में अध्ययन किया हो, पत्र है।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विद्यार्थियों में अनुवाद कौशल का विकास होगा। 2. भारतीय एवं विश्व भाषा साहित्य के अनुवाद क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। 3. वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य बनाने में सक्षम होंगे।	
6	क्रेडिट मान	06	
7	कुल अंक 100	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या(90) -ट्यूटोरियल- L85-T05: व्याख्यान प्रति सप्ताह 2 घंटे			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
इकाई-1	अनुवाद की अवधारणा एवं क्षेत्र: 1. अनुवाद: परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व 2. अनुवाद के प्रकार - शब्दानुवाद, भावानुवाद, आशु अनुवाद एवं द्विभाषी प्रविधि 3. अनुवादक के गुण	16	

  
 15.02.2022  
 डॉ. यु.पी. दुबे  
 अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मण्डल  
 वी-६० द्वितीय वर्ष, हिंदी साहित्य

	<p>4. अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ</p> <p>5. अनुवाद के क्षेत्र</p> <p>6. रोजगार की संभावनाएँ</p>	
इकाई-2	<p>अनुवाद की प्रक्रिया</p> <p>1. स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा के अर्थान्तरण की प्रक्रिया, अनुदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ सम्प्रेषण की प्रक्रिया।</p> <p>2. अनुवाद एवं समतुल्यता का सिद्धांत</p>	18
इकाई-3	<p>अनुवाद के उपकरण एवं अनुवाद का सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ:</p> <p>1. शब्दकोश</p> <p>2. थिसॉरस</p> <p>3. पारिभाषिक कोश</p> <p>4. विश्वकोश कंप्यूटर, इंटरनेट,</p> <p>5. समाज, संस्कृति एवं अनुवाद के अन्तः संबंध</p>	16
इकाई-4	<p>विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान:</p> <p>1. कार्यालयीन अनुवाद</p> <p>2. वाणिज्य अनुवाद</p> <p>3. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद</p> <p>4. साहित्यिक अनुवाद एवं तकनीकी अनुवाद में अंतर</p> <p>5. जन संचार माध्यम एवं विज्ञापन का अनुवाद।</p>	20

  
 15.02.2022  
 प्रो. पुष्पा दुबे  
 अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्यापन मण्डल  
 की-२० द्वितीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

इकाई-5	<p>A अनुवाद का सम्पादन, मूल्यांकन और समीक्षा:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सम्पादन</li> <li>2. मूल्यांकन और समीक्षा</li> </ol> <p>B ट्यूटोरियल :</p> <p>हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद:</p> <p>गद्यानुवाद - किसी अनुच्छेद का अनुवाद</p> <p>कार्यालयीन वाक्यों एवं पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद</p>	20
<p>1. सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: अनुवाद विज्ञान, स्रोत भाषा, लक्ष्य भाषा, अर्थान्तरण, समतुल्यता, थिसॉरस, पुनरीक्षण आदि</p>		
<p>भाग स- अनुशासित अध्ययन संसाधन</p>		
<p>पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन</p>		
<p>• अनुशासित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:</p> <p>संदर्भ ग्रन्थ:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>a. गोपीनाथन, जी, "अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग" लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद</li> <li>b. गोपीनाथन, जी, कंदस्वामी, एस "अनुवाद की समस्याएँ" लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद</li> <li>c. तिवारी, भोलानाथ, "भाषा विज्ञान कोश" ज्ञानमंडल लिमिटेड वाराणसी 1964</li> <li>d. समीर, डॉ नारायण "अनुवाद की प्रक्रिया : तकनीक और समस्या" लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली</li> <li>e. विनय चंद्रन, डॉ एम.एस. "अनुवाद" लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद</li> <li>f. समीर, डॉ नारायण "अनुवाद और उत्तर-आधुनिक अवधारणाएँ" लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली</li> </ol>		

15.02.2022

डा. पुष्पा दुर्ब

अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्ययन मंडल  
बी.ए. क्षेत्रीय वर्क, हिन्दी साहित्य

g. भाटिया, डॉ कैलाश चन्द्र "अनुवाद कला: सिद्धान्त और प्रयोग" तक्षशिला प्रकाशन  
1998 नई दिल्ली

h. डॉ नगेंद्र "अनुवाद विज्ञान" हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली  
विश्वविद्यालय

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1. [www.wikipidiya.org](http://www.wikipidiya.org)
2. [www.egyankosh.ac.in](http://www.egyankosh.ac.in)
3. [www.youtube.com](http://www.youtube.com)
4. <https://epgp.inflibnet.ac.in>
5. [hindiwi.org](http://hindiwi.org)
6. <https://swayam.gov.in/>

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:


अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 15 कुल अंक :30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): <u>बस्तुनिष्ठ</u> अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द)	कुल अंक 70

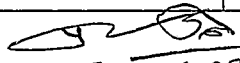
कोई टिप्पणी/सुझाव:

  
15.02.2022  
ज. पुष्पा कुमारी  
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मंडल  
बी.ए. द्वितीय वर्ष, हिन्दी साहित्य



सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रम: डिप्लोमा	कक्षा : बी.ए.	वर्ष:: द्वितीय वर्ष	सत्र: 2022-23
विषय: हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-HLIT2T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अनुवाद विज्ञान (प्रश्न पत्र 2)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स / मेजर 2 / माइनर /वैकल्पिक	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र ने किसी भी विषय/संकाय में अध्ययन किया हो, पात्र है।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1.विद्यार्थियों में अनुवाद कौशल का विकास होगा। 2.भारतीय एवं विश्व भाषा साहित्य के अनुवाद क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। 3.वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य बनाने में सक्षम होंगे।	
6	क्रेडिट मान	06	
7	कुल अंक 100	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या(90) -ट्यूटोरियल- L85-T05: व्याख्यान प्रति सप्ताह 2 घंटे			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
इकाई-1	अनुवाद की अवधारणा एवं क्षेत्र: 1. अनुवाद: परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व 2. अनुवाद के प्रकार - शब्दानुवाद, भावानुवाद, आशु अनुवाद एवं द्विभाषी प्रविधि 3. अनुवादक के गुण	16	

  
 15.02.2022  
 डॉ. यु.पी. दुबे  
 अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मण्डल  
 बी-ए- द्वितीय वर्ष, हिंदी साहित्य

	<p>4. अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ</p> <p>5. अनुवाद के क्षेत्र</p> <p>6. रोजगार की संभावनाएँ</p>	
इकाई-2	<p>अनुवाद की प्रक्रिया</p> <p>1. स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा के अर्थान्तरण की प्रक्रिया, अनुदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ सम्प्रेषण की प्रक्रिया।</p> <p>2. अनुवाद एवं समतुल्यता का सिद्धांत</p>	18
इकाई-3	<p>अनुवाद के उपकरण एवं अनुवाद का सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ:</p> <p>1. शब्दकोश</p> <p>2. थिसॉरस</p> <p>3. पारिभाषिक कोश</p> <p>4. विश्वकोश कंप्यूटर, इंटरनेट,</p> <p>5. समाज, संस्कृति एवं अनुवाद के अन्तः संबंध</p>	16
इकाई-4	<p>विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान:</p> <p>1. कार्यालयीन अनुवाद</p> <p>2. वाणिज्य अनुवाद</p> <p>3. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद</p> <p>4. साहित्यिक अनुवाद एवं तकनीकी अनुवाद में अंतर</p> <p>5. जन संचार माध्यम एवं विज्ञापन का अनुवाद।</p>	20

15.02.2022  
 57 पुष्पा दुर्वा  
 अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्यापन मण्डल  
 वी०ए० द्वितीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

इकाई-5	<p>A अनुवाद का सम्पादन, मूल्यांकन और समीक्षा:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सम्पादन</li> <li>2. मूल्यांकन और समीक्षा</li> </ol> <p>B ट्यूटोरियल :</p> <p>हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद:</p> <p>गद्यानुवाद – किसी अनुच्छेद का अनुवाद</p> <p>कार्यालयीन वाक्यों एवं पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद</p>	20
<p>1. सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: अनुवाद विज्ञान, स्रोत भाषा, लक्ष्य भाषा, अर्थान्तरण, समतुल्यता, थिसॉरस, पुनरीक्षण आदि</p>		
<p>भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन</p>		
<p>पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन</p>		
<p>• अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:</p> <p>संदर्भ ग्रन्थ:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>a. गोपीनाथन, जी, "अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग" लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद</li> <li>b. गोपीनाथन, जी, कंदस्वामी, एस "अनुवाद की समस्याएँ" लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद</li> <li>c. तिवारी, भोलानाथ, "भाषा विज्ञान कोश" ज्ञानमंडल लिमिटेड वाराणसी 1964</li> <li>d. समीर, डॉ नारायण "अनुवाद की प्रक्रिया : तकनीक और समस्या" लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली</li> <li>e. विनय चंद्रन, डॉ एम.एस. "अनुवाद" लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद</li> <li>f. समीर, डॉ नारायण "अनुवाद और उत्तर-आधुनिक अवधारणाएँ" लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली</li> </ol>		

15.02.2022

डॉ. पुष्पा दुर्ब

अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यापन मंडल  
बी-ए-० क्षेत्रीय वर्क, हिन्दी साहित्य

g. भाटिया, डॉ कैलाश चन्द्र "अनुवाद कला: सिद्धान्त और प्रयोग" तक्षशिला प्रकाशन  
1998 नई दिल्ली

h. डॉ नगेंद्र "अनुवाद विज्ञान" हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली  
विश्वविद्यालय

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1. [www.wikipidiya.org](http://www.wikipidiya.org)
2. [www.egyankosh.ac.in](http://www.egyankosh.ac.in)
3. [www.youtube.com](http://www.youtube.com)
4. <https://epgp.inflibnet.ac.in>
5. [hindiwi.org](http://hindiwi.org)
6. <https://swayam.gov.in/>

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 15 कुल अंक :30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): बस्तुनिष्ठ अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द)	कुल अंक 70


कोई टिप्पणी/सुझाव:

15.02.2022  
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मंडल  
बी.ए. द्वितीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र (सैद्धांतिक)

भाग अ - परिचय

कार्यक्रम: उपाधि डिग्री	कक्षा :बीए	वर्ष: तृतीय	सत्र: 2023-24
विषय: हिन्दी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	<b>A3-HLIT1D</b>	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	काव्यांग विवेचन एवं जनपदीय भाषा-साहित्य (बुन्देली/मालवी/बघेली) (प्रश्न पत्र I)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव /इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल/माइनर ....)	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (सैद्धांतिक)  समूह अ	
4	पूर्वपिक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने हिन्दी साहित्य विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	<p>इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. विद्यार्थी काव्य के प्रमुख अंगों का अध्ययन कर काव्य को भली भाँति समझ सकेंगे।</li> <li>2. जनपदीय भाषा एवं साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।</li> <li>3. जनपदीय भाषा साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता से परिचित होंगे।</li> <li>4. विद्यार्थी जनपदीय भाषा कौशल में पारंगत होंगे। क्षेत्रीय भाषाओं, बोलियों के साहित्य को संगीतबद्ध करना, नाट्यरूपांतर करना आदि के माध्यम से स्वयं के व्यावसायिक कला मंच स्थापित कर सकेंगे, देश-विदेश में प्रस्तुतियाँ दे सकेंगे।</li> </ol>	
6	क्रेडिट मान	<b>06</b>	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

  
 7.11.2022  
 डॉ. युवा कुंठा  
 अध्यक्ष, के-डीयू अध्येयन मंच  
 वी.ए. तारक वर्मा, हिन्दी साहित्य

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3): L-3 -T-P:		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटा/ व्याख्यान) 90
1	काव्यशास्त्रीय अवधारणाएँ : <ul style="list-style-type: none"> <li>• काव्य लक्षण</li> <li>• काव्य प्रयोजन</li> <li>• काव्य हेतु</li> </ul>	18
2	काव्य के प्रमुख अंग : <ul style="list-style-type: none"> <li>• रस विवेचन</li> <li>• अलंकार (प्रमुख अलंकार- उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, यमक, श्लेष, अनुप्रास)</li> <li>• शब्द शक्ति</li> <li>• काव्य गुण ( प्रसाद, माधुर्य, ओज)</li> <li>• छन्द – दोहा, सोरठा, चौपाई, कवित्त, सवैया</li> </ul>	18
3	<ul style="list-style-type: none"> <li>• जनपदीय- भाषा : (बुन्देली/मालवी/बघेली)</li> <li>• जनपदीय भाषा का भौगोलिक क्षेत्र विस्तार</li> <li>• जनपदीय भाषा (बुन्देली/मालवी/बघेली) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि</li> <li>• जनपदीय भाषा का इतिहास</li> </ul> <p>जनपदीय भाषा-साहित्य का इतिहास</p>	18
4	जनपदीय भाषा के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ -	18

**अ- बुन्देली भाषा और इतिहास  
प्रमुख कवि - (व्याख्या एवं समीक्षा)**

1 जगनिक - आलह खण्ड  
अंश " सुमिरन करके नारायण को .....

2 ईसुरी -  
1 वंदना- सुमिरन करों शारदा माता,  
3 भक्तिपरख फागें - हमखो कोउ रजउ की सानी,  
दूजी नॉइ दिखानी।  
4 प्रकृतिपरख फागें - अब रित आई बसंत बहारन  
5 लोक जीवन की चौकडियों - हंसा उड़ चल देख  
बिरानें सरवर जात सुखानें

3 संतोष सिंह बुन्देला -

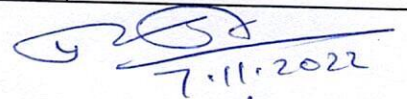
1. ऐसौ जौ बुन्देलखण्ड है, सौ नौनें से नौनौ।
2. मिठौआ है ई कुओं कौ नीर।
3. लगा रऔ कुकरा कबसें टेर
4. हमारे रमटेरा की तान
5. सरग तरइयों कीनें गिन लई

4 माधव शुक्ल मनोज -

1. बड़ी रसीली कों गई रातें
2. नीके बसंती आ गये दिन
3. फागुन आ गऔ
4. कब से देखूँ बाठ पिया की
5. अंगना के फूल खिला जइयों.....

**ब - मालवी एवं निमाड़ी भाषा और साहित्य  
प्रमुख कवि (व्याख्या एवं समीक्षा) 01. संत  
पीपा -**

संत पीपा वाणी एवं पद  
प्रारंभिक 5 साखियाँ, प्रारम्भिक पद 05  
महायोगी वैष्णव संत श्री पीपाजी - सं. श्री राजेन्द्र  
दास

  
7.11.2022

श्री युवा श्रव  
अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्ययन मण्डल  
बी.ए. तृतीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

02. संत सिंगाजी -

प्रारंभिक 5 साखियाँ, सरद 05, भजन 2  
'कहे जन सिंगा' सं. डॉ. श्रीराम परिहार

03. आनन्दराव दुबे - 05 कविताएँ

- कलम -कागज,
- अब कैंई हीड़ गावे रे
- हूँ जाणों की ता जाणे
- कदी जाण घरे भी हाण हुई ज्ञाय है,
- मालवा की माटी

04 बालकवि बैरागी ( 05 कविताएँ)

- बाजे रे ढोल
- पसीनो ललाट को
- बादरणा अइग्या
- यो बसंत है
- पनिहारी

**स - बघेली भाषा और साहित्य  
प्रमुख कवि (व्याख्या एवं समीक्षा)**

1. बैजनाथ पाण्डे बैजू - (कवि का परिचय एवं साहित्यक विशेषताएँ।)

1.1 देससेवा

1.2 नेता

1.3 मेला


1.4 गरीबी

  
7.11.2022

डॉ. युष्मा दुबे  
अध्यक्ष, क्षेत्रीय अख्यकारण मंडल  
बी.ए. दलीप चर्च हि-दी सचिवालय



	<p>1.5 बिटियन केर पढ़ाई</p> <p>2. <u>सैफुद्दीन सिद्दीकी 'सैफू'</u> ( कवि- परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएँ)</p> <p>2.1 किसान</p> <p>2.2 रूपिया केर महातिम</p> <p>2.3 मुँह देखा अब कजरहटा मा</p> <p>2.4 दडउ त बनाइस मनई</p> <p>2.5 अरे अक्किल का मौजा</p> <p>3. <u>डॉ. अमोल बटरोही</u> – ( कवि परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएँ)</p> <p>3.1 पेट त उठउ आय</p> <p>3.2 अँजुरी भर प्यार लोई देड.....</p> <p>3.3 को कहइ</p> <p>3.4 कोइयोँ मुरत परे रहे</p> <p>3.5 को होइगा</p> <p>4. <u>बाबूलाल दाहिया</u> – ( कवि परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएँ)</p> <p>4.1 गज़ल – अब हमी उनहूँ निता स्वाचे का चाही</p> <p>4.2 अकेले डोंग मा गोरू चराबै कोल बरसइत</p> <p>4.3 हरबाह के कनूत</p>	
5	<p><b>जन जातीय भाषा साहित्य</b></p> <p>1. जन जातीय भाषा साहित्य संग्रह (लिखित /वीडियो)</p> <p>2. किसी भी जन जातीय भाषा- साहित्य का अनुवाद</p> <p>3. जन जातीय भाषा साहित्य का भाषिक सौन्दर्य</p> <p>4. जन जातीय भाषा साहित्य अन्तर्गत संस्कृति का अध्ययन</p>	18

  
7.11.2022

डा. युष्मा कुं  
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मण्डल  
बी.ए.-तृतीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

	5. जन जातीय भाषा साहित्य और संगीत	
व्यावहारिक ज्ञान	(किन्हीं 2 पर कार्य करें) संबंधित क्षेत्र के अप्रकाशित लोक साहित्य का संग्रह । अनुवाद। समीक्षा। लोकगीतों को मौलिक रूप से संगीत बद्ध करना। वाचन, सस्वर प्रस्तुति।	

की वर्ड: काव्यशास्त्र , चौकड़िया , फाग , लोकसाहित्य , लोक संस्कृति

भाग स- अनुशासित अध्ययन संसाधन

• अनुशासित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

- शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमार, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी भाषा और साहित्य" मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल
- शुक्ल, त्रिभुवन नाथ, डॉ कामिनी, परमार, डॉ बहादुर सिंह "बुन्देली भाषा और साहित्य"
- हंस, डॉ कृष्ण लाल "बुन्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग प्रथम संस्करण 1976 ई.
- शुक्ल, दुर्गाचरण "बुन्देली एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" कला परिषद टिकमगढ़ प्रथम संस्करण 1976 ई.
- शर्मा, डॉ रमेश "लोक साहित्य" बेनी माधव प्रकाशन वाराणसी प्रथम संस्करण 1969 ई.
- शर्मा, डॉ सत्येंद्र -प्रधान, उषा "बघेली भाषा और साहित्य" मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल
- मिश्र, डॉ भगीरथ "काव्यशास्त्र" विश्वविद्यालय प्रकाशन गोरखपुर 1963
- सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप "भारतीय काव्यशास्त्र" लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद 1997 ई.
- चन्द्रगुप्त, डॉ सुरेश "आधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सिद्धान्त" हिन्दी साहित्य संसार दिल्ली प्रथम संस्करण 1960 ई.
- त्रिपाठी, राममूर्ति "साहित्य शास्त्र के प्रमुख पक्ष" वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
- वाजपेयी, नन्ददुलारे "रीति और शैली" वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- तोमर, टीकमसिंह "बघेली भाषा और साहित्य" बिहार राष्ट्र भाषा परिषद पटना
- शुक्ल, भगवती प्रसाद "बघेली भाषा और साहित्य" साहित्य भवन इलाहाबाद प्रथम संस्करण 1971 ई.
- शर्मा, डॉ शैलेन्द्र "शब्द-शक्ति संबंधी भारतीय और पाश्चात्य अवधारणा तथा हिन्दी काव्य शास्त्र" नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली
- गुप्ता, डॉ सरोज "प्रामाणिक वृहद बुन्देली शब्दकोश" उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान लखनऊ

  
7.11.2022

डा. युवराज कुमार

अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्ययन मण्डल  
बी.ए. तृतीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

- शर्मा, डॉ शैलेंद्र " मालवा का लोक माच एवं अन्य विधाएँ" अंकुर मंच उज्जैन
- मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादेमी से प्रकाशित पुस्तकें

## 2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

[www.eshiksha.mp.gov.in](http://www.eshiksha.mp.gov.in)

[http://www.abmcollegejamshedpur.ac.in/pdfs/studymaterials/B.A.HINDI\(Hon%27s\)SEM-3,CC-6%20Unit-21.pdf](http://www.abmcollegejamshedpur.ac.in/pdfs/studymaterials/B.A.HINDI(Hon%27s)SEM-3,CC-6%20Unit-21.pdf)

<https://old.amu.ac.in/emp/studym/99994856.pdf>

## भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

### अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	30
आकलन :	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न	70
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): लघु प्रश्न	
समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	

कोई टिप्पणी/सुझाव:

7.11.2022

डॉ. यु. ए. उर्फ  
अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्ययन समिति  
बी.ए. तृतीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र (सैद्धांतिक)

भाग अ-परिचय			
कार्यक्रम: डिग्री	कक्षा :बीए	वर्ष:तृतीय	सत्र:2023-24
विषय : हिन्दी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-HLIT2D	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	जन संचार माध्यम: सिद्धान्त और अनुप्रयोग (प्रश्न पत्र II )	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव /इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.माइनर ....)	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (सैद्धांतिक) समूह अ	
4	पूर्वपिक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने हिन्दी साहित्य विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो ।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	<p>इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. यह एक रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम है जो विद्यार्थियों को जन संचार माध्यम में कौशल प्राप्त करने एवं रोजगार प्राप्त करने में सहयोगी होगा ।</li> <li>2. विद्यार्थी महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम होंगे ।</li> <li>3. विद्यार्थियों को पत्रकारिता के माध्यम से सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व का बोध होगा।</li> </ol>	

2-11-2022

डा. पुष्पा कुर्ष


अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मंडल  
बी.ए. तृतीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

6	क्रेडिट मान	06	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L -3 ): L-T-P:

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटा/ व्याख्यान) 90
1	जनसंचार की अवधारणा और विविध आयाम  <ul style="list-style-type: none"> <li>जनसंचार माध्यम परिभाषा, स्वरूप एवं चुनौतियाँ ।</li> <li>जनसंचार माध्यमों का स्वरूप – प्रिंट (मुद्रण) श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट ।</li> </ul>	18
2	प्रिंट पत्रकारिता (मुद्रण)  समाचार-अवधारणा समाचार श्रोत एवं क्षेत्र  <ul style="list-style-type: none"> <li>समाचार संग्रह पद्धति और लेखन प्रक्रिया</li> </ul>	18

  
07.11.2022

डॉ. पुष्पा कुर्व  
अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र  
बी.ए. तृतीय वर्ष, दिल्ली साहित्य

	<ul style="list-style-type: none"> <li>समाचार का वर्गीकरण= खोजी, व्याख्यापरक एवं अनुवर्तन समाचार</li> <li>संवाददाता की भूमिका,</li> <li>सम्पादकीय लेखन, स्तम्भ लेखन, एवं फीचर लेखन</li> <li>मुद्रण कला: ले-आउट एवं पृष्ठसज्जा</li> </ul>	
3	<p><b>पत्रकारिता प्रबंधन =</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>विज्ञापन विक्रय एवं वितरण</li> <li>प्रेसवार्ता एवं साक्षात्कार</li> </ul>	18
4	<p><b>दृश्य-श्रव्य माध्यम : इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>समाचार संकलन {दृश्य श्रव्य माध्यम के लिए}</li> <li>संपादन प्रस्तुतिकरण की प्रक्रिया</li> <li>टेलीविजन, धारावाहिक, टेलीड्रामा, टेलीफिल्म, डाक्यूड्रामा</li> <li>दृश्य-श्रव्य माध्यम के लिए विज्ञापन निर्माण-लेखन एवं प्रस्तुति</li> <li>प्रेस वार्ता एवं साक्षात्कार</li> </ul>	18
5	<p><b>न्यू मीडिया /वेब मीडिया</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>न्यू मीडिया वेब मीडिया का आशय / एवं विविध रूप</li> <li>न्यू मीडिया/वेब मीडिया में समाचार लेखन, सम्पादन एवं प्रस्तुतिकरण</li> <li>समाचार लेखन एवं सम्पादन</li> <li>न्यू मीडिया का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष और प्रभाव</li> </ul>	18



7.11.2022

डॉ. पुष्पा कुंवर  
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्यापक मण्डल  
बी.ए. तृतीय वर्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रेस एवं मीडिया संबंधी प्रमुख कानून एवं आचार संहिता</li> </ul>	
व्यावहारिक ज्ञान	<ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रिंट/रेडियो/ इलेक्ट्रॉनिक /न्यू मीडिया संबंधित समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण</li> <li>• फिल्म समीक्षा</li> </ul>	

की वर्ड : जनसंचार माध्यम,पत्रकारिता प्रबंधन,न्यू मीडिया एवं वेब मीडिया

भाग स-अनुशासित अध्ययन संसाधन

अनुशासित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

- हरिमोहन "आधुनिक जनसंचार और हिन्दी " तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली
- द्विवेदी,संजय"नए समय का संवाद : सोशल नेटवर्किंग " नेहा पब्लिशिंग अँड डिस्ट्रीब्यूटेर्स नई दिल्ली
- शुक्ल,सौरभ "नए जमाने की पत्रकारिता " विज़डम विलेज पब्लिकेशन्स नई दिल्ली
- श्रीवास्तव,डॉ,राजेश "दृश्य -श्रव्य माध्यम लेखन " कैलाश पुस्तक सदन भोपाल
- सिंह,अजय कुमार "इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता " लोकभारती प्रकाशन 2014
- जैन, डॉ संजीव कुमार "प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग" कैलाश पुस्तक सदन भोपाल
- द्विवेदी,संजय "मीडिया/भूमंडलीकरण और समाज
- परिहार,कालूराम "मीडिया का सामाजिक सरोकार "
- पटेल योगेश सोशल मीडिया
- मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादेमी भोपाल से प्रकाशित पुस्तकें

अनुशासित डिजिटल प्लेटफॉर्म / वेब लिंक

[www.eshiksha.mp.gov.in](http://www.eshiksha.mp.gov.in)

<https://ignited.in/a/57930>

<https://ncert.nic.in/textbook/pdf/kham101.pdf>

5/11/2022  
 डॉ. पुष्पा कुंवर  
 अध्यापिका, केन्द्रीय अध्ययन मंडल

भाग द-अनुशासित मूल्यांकन विधियां:


अनुशासितसतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीनपरीक्षा(UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	30
आकलन :	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): लघु प्रश्न	70
समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	


कोई टिप्पणी/सुझाव:

  
7.11.2022  
डा. पुष्पा कुंठ  
अध्यक्ष, केंद्रीय अध्ययन मंडल  
बी.ए. तृतीय वर्ष/द्वि-ती साहित्य



प्रश्नपत्र (सैद्धांतिक)

भाग अ-परिचय			
कार्यक्रम: डिग्री	कक्षा :बीए	वर्ष:तृतीय	सत्र:2023-24
विषय: हिन्दी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	<b>A3-HLIT2T</b>	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव /इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/माइनर ....)	माइनर /elective (सैद्धांतिक)	
4	पूर्वपिक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने हिन्दी साहित्य विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो ।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विद्यार्थी लोक जीवन शैली से भिन्न होंगे</li> <li>• लोक साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कर अपने ज्ञान और अनुभव से शोध कार्य करने में समर्थ होंगे।</li> <li>• लोक कला के क्षेत्र में कौशल विकास कर, रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।</li> <li>• लोक गीत, संगीत, नाट्य अभिनय आदि में रुचि रखने वाले विद्यार्थी संगीत नाट्य एवं फिल्म आदि क्षेत्रों में नया प्रयोग करते हुए देश-विदेश में यश एवं अर्थोपार्जन कर सकेंगे ।</li> </ul>	
6	क्रेडिट मान	<b>06</b>	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:35

  
 7.11.22  
 डा. युष्कांत कुमार  
 अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्ययन मंडल  
 बी.ए. तृतीय, हिन्दी साहित्य

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3): L-T-P:		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1घंटा/ व्याख्यान)
		90
1	<b>लोक-साहित्य एवं लोक संस्कृति की अवधारणा:</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• लोक, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति की अवधारण</li> <li>• लोक वार्ता और लोक संस्कृति,</li> <li>• लोक संस्कृति और साहित्य का अंतस्संबन्ध</li> </ul>	18
2	<b>लोक साहित्य के प्रमुख रूप एवं संकलन</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरणलोकगीत -, लोकनाट्य लोक कथा एवं लोक गाथा,</li> <li>• लोक-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएं</li> </ul>	18
3	<b>लोकगीत एवं लोकनाट्यस्वरूप : प्रकार एवं विशेषताएँ-</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• लोकगीत - अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार (संस्कार गीत, वृत्त गीत, पर्व गीत, श्रम गीत एवं ऋतु गीत आदि)</li> <li>• लोकनाट्य- अवधारणा एवं प्रकार (रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया, स्वांग, यक्षगान, भवाई, नौटंकी, माच, तमाशा, विदेसिया जात्रा आदि का संक्षिप्त परिचय</li> </ul>	18
4	<b>लोककथा एवं लोक गाथास्वरूप : प्रकार एवं विशेषताएँ-</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• लोककथा अर्थ -, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार, व्रतकथा, परिकथा, नागकथा, बोधकथा आदि।</li> <li>• कथानक रूढ़ियाँ अभिप्राय/</li> <li>• लोकगाथा, गोपीचन्दभरथरी, नलदमयन्ती, आदि। लोककथाओं एवं गाथाओं का सामाजिक जीवन पर प्रभाव</li> </ul>	18
5	<b>लोक संगीत, लोक नृत्य एवं अन्य विधाएँ -</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• लोक संगीत, लोक वाद्य एवं विशिष्ट लोक ध्वनि से आशय, स्वरूप</li> </ul>	18

52/53

07.11.22

डा. पूष्पा कुर्व

अध्यक्ष, केंद्रीय अध्ययन मण्डल  
बी.ए.-तृतीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• लोक नृत्य के विविध रूप</li> <li>• मुहावरे -, कहावतें, पहेलियाँ</li> <li>• मेले एवं हाट</li> <li>• संबंधित क्षेत्र के लोक साहित्य एवं संस्कृति का अध्ययन</li> <li>• संबंधित क्षेत्र की लोक कलाओं लोक चित्र एवं -शिल्प का अध्ययन</li> </ul>	
व्यावहारिक ज्ञान	स्थानीय क्षेत्र के लोक गीत :लोक साहित्य, लोक कलाओं का संकलन, अनुवाद एवं प्रस्तुतिकरण। लोक कलाकारों से भेट वार्ता प्रस्तुति।	
की वर्ड	लोक , लोकसाहित्य, वार्ता लोक गाथा।	

#### भाग स-अनुशासित अध्ययन संसाधन

#### अनुशासित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

- उपाध्याय, कृष्णदेव "लोक साहित्य की भूमिका" साहित्य भवन प्रा.लि.इलाहाबाद
- उपाध्याय, कृष्णदेव "लोक संस्कृति की रूपरेखा" लोक भर्ती प्रकाशन नई दिल्ली
- तिवारी, डॉ कपिल "कथा वार्ता" (हिन्दी) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादेमी, भोपाल
- निर्गुणे, वसंत "निमाड़ी मुहावरे" (हिन्दी) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादेमी, भोपाल
- निर्गुणे, वसंत "संत सिंगाजी" आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादेमी, भोपाल
- निर्गुणे, वसंत "मध्य प्रदेश की लोक कथाएँ" प्रभात प्रकाशन प्रा.लि
- दिनकर, रामधारी सिंह "संस्कृति के चार अध्याय" साहित्य अकादेमी नई दिल्ली 1956
- माथुर, जगदीश चन्द्र "परम्पराशील नाट्य" राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली
- गुप्ता, डॉ सरोज, सुहाने, डॉ संगीता "लोक साहित्य और वैश्वीकरण" अनुभूति पब्लिशर इलाहाबाद
- शर्मा, डॉ शैलेंद्र "मालवा का लोक नाट्य माच एवं अन्य विधाएँ" अंकुर मंच उज्जैन
- मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादेमी भोपाल से प्रकाशित पुस्तकें

#### अनुशासित डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेब लिंक

[www.eshiksha.mo.gov.in](http://www.eshiksha.mo.gov.in)

[https://rqu.ac.in/wp-content/uploads/2021/02/Download\\_600.pdf](https://rqu.ac.in/wp-content/uploads/2021/02/Download_600.pdf)

<https://loksahitya.weebly.com/uploads/9/7/2/1/972179/loksahitya.pdf>

*Handwritten signature and date: 7.11.2021*

*Handwritten text: डॉ. पुष्पा देवी, अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्ययन मंच, बी.ए-सहायक वर्ष, हिन्दी साहित्य*

[https://www.csirs.org.in/uploads/paper\\_pdf/lok-sanskriti-ke-aaine-mein-lok-sahitya.pdf](https://www.csirs.org.in/uploads/paper_pdf/lok-sanskriti-ke-aaine-mein-lok-sahitya.pdf)

भाग द-अनुशासित मूल्यांकन विधियां:


अनुशासितसतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	30
आकलन :	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): लघु प्रश्न	70
समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	

कोई टिप्पणी/सुझाव:

  
7-11-2022  
डा. गुणनि 301  
उप-निदेशक, केंद्रीय अध्यापन मन्त्रालय  
बी.ए.एल. विभाग, दिल्ली साहित्य